

21.5-18

3000 प्रकृत-अथ सपत्न-
 योग-अथवा मय अथवा सार-
 योग-योग-सं-पेश-दुर्गा-विद्या-
 का-मोक्ष-वा-र-व-पि-य-पा-र-
 विद्या-म-न-ने-विद्या-व-प-
 क-व-र-विद्या-विद्या-
 विद्या-व-र-म-ने-विद्या-
 व-विद्या-विद्या-विद्या-

मध्यम
 क. अ. र.
 विद्या

वेने-से (वेने-उरि कथि ल-इनि) शिखा-
निचे डिमा ल-हमनाये पडो-को-कुमा
गमग प्रिया का उरि पंच-मिहमिहमिह-
मिमा लम है विहमिह-निहमिह-हममिह
से विहमिहमिह लममिह-का-हममिहमिह
शमिह मिहमिह मिमा गमग पञ्चाव-
मममिह म्यमिह-ये मर-का-हममिह
मिहमिह मरमिह

अध्यक्ष
श्री अ. अ. अ.
द्वितीय